PAIGAM-E-JAGAT

पैग़ाम-ऐ-जगत

Title code : CHAMUL00914 | E-mail : Info@paigamejagat.com | सोमवार, 28 अगस्त, 2026, साल-2, अंक-64, चंडीगढ़, मुख्य संपादक : दविंदर कुमार, संपर्क-94786-02733

'जो हम खुशी से सीखते हैं उसे हम कभी नहीं भूलते।'
-अल्फ्रेड मर्सिएर



एलपीयू के बाहर हालात बेकाबू

छात्रों द्वारा पुलिस पर पथराव, गाड़ियों को लगाई आग, पुलिस ने लाठीचार्ज किया

फगवाड़ा, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के बाहर रविवार शाम को छात्रों का प्रदर्शन हिंसक रूप धारण कर गया। छात्रों और पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया और स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच सीधी झड़प देखने को मिली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रदर्शनकारी छात्रों द्वारा मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया गया। भड़की हुई भीड़ को तितर-बितर करने और हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस द्वारा जवाबी कार्रवाई करते हुए लाठीचार्ज भी किया गया।

वहीं प्रदर्शनकारियों द्वारा एसएसपी गौरव तुरा की गाड़ी में तोड़फोड़ की गई, जबकि तीन अन्य पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई। इस पथराव के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी खबर है।

इस घटना के बाद यूनिवर्सिटी के बाहर और आसपास के इलाके में स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इससे पहले दिन में, छात्रों ने परिसर में हंगामा किया और तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारी छात्रों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। सतनामपुरा पुलिस स्टेशन में एक छात्रा के बयान पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसने आरोप लगाया है कि 23 सितंबर को गर्ल्स हॉस्टल में एक लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया था, लेकिन प्रशासन ने इस घटना को दबाने की कोशिश की। वहीं जालंधर रेंज के डीआईजी नवीन सिंगला ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया है, जिसमें फगवाड़ा के एसपी मेजर सिंह, डीएसपी पलविंदर सिंह और एक महिला पुलिस इंस्पेक्टर के अलावा छात्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

इस दौरान, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों को 'झूठी, निराधार और मनगढ़ंत' बताया है और कहा है कि यह गलत जानकारी बेवजह भ्रम पैदा कर रही है और यूनिवर्सिटी के शांतिपूर्ण माहौल को खराब कर रही है। रजिस्ट्रार मोनिका गुलाटी द्वारा जारी एक बयान में, यूनिवर्सिटी ने कहा कि कुछ 'असामाजिक तत्व' भ्रामक जानकारी फैला रहे हैं और जिस तरीके से अफवाहें फैलाई जा रही हैं, वह संस्थान की छवि को खराब करने की जानबूझकर की गई कोशिश प्रतीत होती है। यूनिवर्सिटी ने स्पष्ट रूप से कहा कि वर्तमान में फैल रही अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। यूनिवर्सिटी ने छात्रों, अभिभावकों और आम जनता से अपील की कि वे बिना पुष्टि की गई जानकारी पर विश्वास न करें और न ही उसे आगे फैलाएं।

चितकारा यूनिवर्सिटी में क्या हुआ?

पहली घटना 25 सितंबर की रात को सामने आई जब सोशल मीडिया पोस्ट और रील्स में यह दावे फैलने शुरू हो गए कि लड़कियों के हॉस्टल से दो छात्राएं गायब हैं या उन्होंने आत्महत्या कर ली है। कुछ पोस्ट में एक कथित 'भूत' का अजीबोगरीब हवाला भी दिया गया और दावा किया गया कि हॉस्टल से चीखें सुनाई दी थीं। इन दावों के कारण रात में ही प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र कैंपस में इकट्ठा हो गए और यूनिवर्सिटी प्रशासन से जवाब मांगने लगे। छात्रों ने कथित तौर पर सीसीटीवी फुटेज तक पहुंच की मांग की और आरोपों को लेकर अधिकारियों का घेराव किया।

यह प्रदर्शन बाद में हिंसक हो गया, जिसमें कैंपस की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और पंजाब पुलिस के इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल पर हमला किया गया। इसका अगला शीशा तोड़ दिया गया था। चितकारा यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार कर्नल राकेश शर्मा (सेवानिवृत्त) और स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों से बातचीत की और आरोपों को नकार दिया। पुलिस अधिकारियों ने यह भी इशारा किया कि कार्रवाई की मांग कर रहे छात्र कथित तौर पर लापता छात्रों के नाम या पहचान नहीं बता सके। यूनिवर्सिटी और पुलिस ने दावा किया कि ऐसी कोई मौत नहीं हुई है और कोई भी छात्र लापता नहीं है।

24 घंटे के भीतर लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन शुरू

इसके ठीक अगले दिन, फगवाड़ा में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में भी ऐसी ही स्थिति पैदा हो गई। शनिवार रात को अस्पष्ट सोशल मीडिया संदेश घूमने लगे जिनमें दावा किया गया कि कैंपस में एक बाहरी व्यक्ति द्वारा एक छात्रा के साथ दुष्कर्म किया गया है। इस दावे के कुछ अन्य रूपों में सुझाव दिया गया कि छात्रा ने आत्महत्या कर ली है। इन पोस्टों ने छात्रों में घबराहट पैदा कर दी, जो रविवार तड़के लड़कियों के हॉस्टल के पास इकट्ठा हो गए। स्थिति तेज़ी से बिगड़ गई, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ईंटें फेंकीं, खिड़कियों के शीशे तोड़े और कैंपस के अंदर सामान को आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने कैंपस के गेट भी तोड़ दिए और जालंधर-फगवाड़ा नेशनल हाईवे को जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हुआ। स्थिति को काबू में लाने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। कपूरथला के एसएसपी गौरव तूरा ने कहा कि शुरुआती जांच में आरोपों का समर्थन करने वाला कोई सबूत नहीं मिला है और कथित दुष्कर्म के संबंध में कोई आधिकारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है और कैंपस के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। हालांकि दोनों प्रदर्शनों का तात्कालिक कारण ऑनलाइन अपुष्ट दावों का फैलना था, लेकिन पुलिस अधिकारियों ने कहा कि छात्रों से बातचीत करने पर कैंपस प्रशासन और संचार को लेकर भी चिंताएं सामने आईं। पुलिस के अनुसार, कुछ छात्रों ने शिकायत की कि यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा उनकी दैनिक शिकायतों का सही ढंग से समाधान नहीं किया जा रहा है। इसलिए इन घटनाओं ने हजारों छात्रों के बीच अपुष्ट जानकारी फैलने को लेकर बड़ी चिंता पैदा कर दी है। पुलिस भड़काऊ गलत जानकारी के प्रसार को रोकने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर नजर रख रही है और छात्रों से अपुष्ट दावों को शेयर न करने की अपील की है।

यूनिवर्सिटी प्रशासन और पुलिस ने भी छात्रों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पोस्ट पर कोई कदम उठाने से पहले आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। दोनों यूनिवर्सिटीज में प्रदर्शन एक-दूसरे से लगभग 24 घंटे के भीतर हुए, लेकिन ऐसा कोई आधिकारिक सबूत नहीं है जो यह साबित करे कि अपुष्ट दावों के समान पैटर्न के अलावा ये दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हुई थीं।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बेअदबी विरोधी कानून से संबंधित 7 सदस्यीय समिति के साथ बैठक की

बेअदबी करने वालों के लिए उम्रकैद और भारी जुर्माने में कोई समझौता नहीं होगा : मान

- कहा, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा के लिए सख्त से सख्त कानून सुनिश्चित किया जाएगा



चंडीगढ़, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि श्री अकाल तख्त साहिब हम सभी के लिए सर्वोच्च हैं और उनकी सरकार बेअदबी के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी ढांचे को सुनिश्चित कर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

राज्य सरकार द्वारा गठित सात सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी के साथ हुई विस्तृत बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बेअदबी करने वालों के लिए उम्रकैद और भारी जुर्माना इस कानून का मुख्य आधार हैं और इसमें कोई ढील नहीं दी जा सकती। मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026' की कुछ धाराओं को लेकर उठाई गई आशंकाओं तथा विचार-विमर्श और आपसी सहमति के माध्यम से इनके समाधान पर चर्चा की गई।

उन्होंने कमेटी को निर्देश दिया कि प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा की जाए, सुझावों पर विचार किया जाए और सहमति बनाने के लिए श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित पैनल के साथ विस्तृत एवं निरंतर बैठकें की जाएं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि यह कानून श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा के प्रति अपनी मूल भावना पर कायम रहे और सिख संगत के आहत हृदयों पर मरहम लगाने का काम करे।

इस दौरान मुख्यमंत्री मान ने कहा, श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित पैनल के साथ इस कानून की धाराओं पर चर्चा करने और सहमति बनाने की दिशा में काम करते समय इस कानून की मूल भावना और मुख्य उद्देश्य से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। बेअदबी करने वालों के लिए उम्रकैद और भारी जुर्माने की व्यवस्था इस कानून का मुख्य आधार है। इसलिए इसमें कोई ढील नहीं दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, इसमें कोई संदेह

(शेष पेज 2 पर)

आज से बैंकों की तीन दिवसीय हड़ताल

नई दिल्ली, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

हफ़्ते में पांच दिन काम और अन्य लंबित मांगों को लेकर बैंक यूनियनों द्वारा सोमवार से तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल शुरू किए जाने से चेक क्लीयरेंस, नकदी निकासी और जमा सहित बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। हड़ताल का मुख्य असर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में देखने को मिल सकता है।

हालांकि डिजिटल बैंकिंग और अन्य ऑनलाइन सेवाओं के सामान्य रूप से चालू रहने की संभावना है। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक जैसे नई पीढ़ी के निजी बैंकों की शाखाएं इन तीन दिनों के दौरान

(शेष पेज 2 पर)

विराट कोहली ने रचा इतिहास

वनडे में 15000 रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने



नई दिल्ली, 27 सितंबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में इतिहास रच दिया। तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में रोहित शर्मा के आउट होने के बाद मैदान पर उतरते हुए, कोहली ने पहले 40 गेंदों में अर्धशतक जमाया। मैच में 59 रन बनाकर, उन्होंने वनडे में 15000 रन पूरे किए। कोहली वनडे में 15000 रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली ने अपने 315वें वनडे की 303 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। सचिन तेंदुलकर इस सूची में शीर्ष पर हैं। सचिन तेंदुलकर ने 463 वनडे की 452 पारियों में 18426 रन बनाए। सूची में कुमार संगकारा तीसरे स्थान पर, रिकी पोंटिंग चौथे स्थान पर और सनथ जयसूर्या पांचवें स्थान पर हैं।

'मन की बात' : आतंकवाद के प्रति ज़ीरो-टॉलरेंस नीति पर चल रहा है भारत : मोदी

नई दिल्ली, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को साल 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक को याद किया और कहा कि इस कार्रवाई ने दुनिया को भारत की आतंकवाद रोधी नीति की 'नई मिसाल' दिखाई है। अपने 138वें मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देश को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को की गई सर्जिकल स्ट्राइक सोमवार को 10 साल पूरे कर लेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए नियंत्रण रेखा को पार किया था।

उड़ी हमले, जिसमें 18 जवान शहीद हो गए थे, के 11 दिनों बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक की, जिससे आतंकवादियों को भारी नुकसान पहुंचा था।

मोदी ने कहा कि भारत ने लंबे समय तक आतंकी हमलों का दर्द सहा है और सर्जिकल स्ट्राइक इसका निर्णायक जवाब थी।

मोदी ने कहा, ''सर्जिकल स्ट्राइक' ने पूरी दुनिया को भारत की आतंकवाद रोधी नीति की एक नई मिसाल बड़ी बेबाकी से दिखाई। दुनिया यह देखकर हैरान रह गई कि जिस तरह से हमारे बहादुर सैनिकों ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नियंत्रण रेखा पार की। सर्जिकल स्ट्राइक ने पूरी दुनिया को भारत की आतंकवाद विरोधी नीति की नई मिसाल दिखाई। 'सर्जिकल स्ट्राइक' आतंकवादी हमलों के कारण भारत द्वारा लंबे समय से सहे जा रहे दर्द का हमारा निर्णायक जवाब थी।

पिछले एक दशक में- बालाकोट एयरस्ट्राइक से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' तक - भारत ने एक स्पष्ट संदेश दिया है: यदि आतंकवादियों ने भारत की ओर बुरी नज़र से देखने की हिम्मत की, तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।' प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर 9/11 के आतंकी हमले के 25 साल पूरे

(शेष पेज 2 पर)

यू.पी.आई. पर 0.4% एम.डी.आर. के विरोध में 2 अक्टूबर को 'नो यू.पी.आई. डे' मनाएंगे मोबाइल कारोबारी

नयी दिल्ली, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

यू.पी.आई. लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एम.डी.आर.) शुल्क लगाने के विरोध में देश भर के मोबाइल फोन खुदरा विक्रेता दो अक्टूबर को 'नो यू.पी.आई. डे' मनाने की योजना बना रहे हैं। उद्योग निकाय ए.आई.एम.आर.ए. के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि इस दिन यू.पी.आई. से लेनदेन नहीं किया जाएगा।



सरकार ने 15 अक्टूबर से व्यापारियों के लिए 2,000 रुपये से अधिक के यू.पी.आई. लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लागू किया है, जबकि दो व्यक्तियों के बीच (व्यक्ति-से-व्यक्ति) लेनदेन और छोटे भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और दिल्ली-एन.सी.आर. क्षेत्र के अध्यक्ष तरविंदर सिंह ने बयान में कहा, ''ए.आई.एम.आर.ए. ने यू.पी.आई. लेनदेन पर लागू 0.4 प्रतिशत एम.डी.आर. को लेकर मोबाइल खुदरा विक्रेताओं की चिंताओं को बताने के लिए दो अक्टूबर 2026 को 'नो यू.पी.आई. डे' का आह्वान किया है।'' उन्होंने बताया कि 'गांधी जयंती' के अवसर पर खुदरा विक्रेता सांकेतिक रूप से यू.पी.आई. क्यू.आर. कोड को काले कपड़े से ढकेंगे और यू.पी.आई. भुगतान स्वीकार करने से बचेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को ए.आई.एम.आर.ए. द्वारा भेजे गए एक ज्ञापन के अनुसार, यू.पी.आई. पर एम.डी.आर. लगाने से प्रति माह यू.पी.आई. के माध्यम से पांच लाख से 30 लाख रुपये का लेनदेन करने वाले छोटे खुदरा विक्रेता को सीधे तौर पर 2,000 से 12,000 रुपये का मासिक शुद्ध नुकसान होगा।

इससे उनकी शुद्ध आय का एक बड़ा हिस्सा खत्म हो जाएगा। मोबाइल खुदरा विक्रेताओं के निकाय का अनुमान है कि 0.4 प्रतिशत एम.डी.आर. से देश भर के छोटे मोबाइल खुदरा विक्रेताओं पर प्रति माह लगभग 40 करोड़ रुपये और सालाना

(शेष पेज 2 पर)

नेपाल में फिर से बाढ़-लैंडस्लाइड, 6 की मौत

- घर-पुल बहे, हाईवे बंद; एक महीने पहले आई बाढ़ में 1453 मौतें, 5500 से ज्यादा लापता



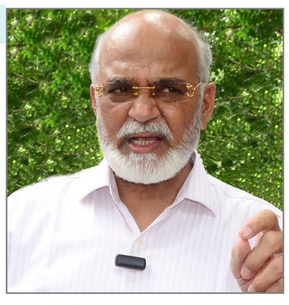
काठमांडू, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

नेपाल में भारी बारिश की वजह से कई नदियों में पानी बढ़ गया है। इससे बाढ़ के हालात बन गए हैं। लगातार बारिश के बीच बाढ़ और भूस्खलन से हालात बिगड़ गए हैं। अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। बागलुंग जिले में भूस्खलन से एक घर मलबे में दब गया। हादसे में एक महिला और उसके तीन बेटों की मौत हो गई। पाल्पा जिले में 2 लोग मारे गए हैं। वहीं, बाढ़ और भूस्खलन से कई

(शेष पेज 2 पर)

पूर्व ईडी अधिकारी निरंजन सिंह ने 'वारिस पंजाब दे' को कहा अलविदा

- चार दिनों बाद ही बदला फैसला



चंडीगढ़, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

ईडी के पूर्व अधिकारी निरंजन सिंह ने अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' को आज अलविदा कह दिया है। चार दिन पहले ही पूर्व डिप्टी डायरेक्टर निरंजन सिंह ने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत करते हुए अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' का दामन थामा था। अचानक कुछ ही दिनों के अंतराल के बाद पूर्व अधिकारी द्वारा खुद को इस पार्टी से अलग कर लेने से राजनीतिक हल्के हैरान हैं।

पूर्व अधिकारी निरंजन सिंह ने आज अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह ऐलान किया है। साझा की गई पोस्ट के अनुसार, निरंजन सिंह ने कहा कि उन्होंने पंजाब में नशीली दवाओं की समस्या, भ्रष्टाचार, गैंगस्टरवाद, रंगदारी और नशे की तस्करी में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता जैसे मुद्दों पर इस पार्टी को अपना समर्थन दिया था, लेकिन कुछ ऐसे मतभेद हैं जिनसे समझौता करना मेरे लिए संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों का आचरण भारतीय संविधान के अनुसार होना चाहिए।

निरंजन सिंह ने अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' को शुभकामनाएं भी दी हैं। गौरतलब है कि पूर्व अधिकारी निरंजन सिंह और पंजाब पुलिस के पूर्व डीएसपी बलविंदर सिंह सेखों ने चंडीगढ़ में अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' में 23 सितंबर को औपचारिक रूप से शामिल हुए थे।

(शेष पेज 2 पर)

अंबाला में निर्माणाधीन मकान का लेंटर गिरने से चार मजदूरों की मौत

- 30 के करीब मजदूरों के फंसे होने की आशंका

अंबाला, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

हरियाणा के अंबाला के घुलकर गांव में रविवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया, जब एक निर्माणाधीन मकान की छत गिर गई। इस हादसे में चार मजदूरों की मौत हो गई। तीस मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। अब तक नौ मजदूरों को बचा लिया गया है और इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। पांच जेसीबी इस समय मलबा हटाने के काम में लगी हुई हैं। एसडीआरएफ की एक टीम मौके पर पहुंच गई है। एसडीएम और भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा मौके पर पहुंच गए हैं। चारों मृतकों की

(शेष पेज 2 पर)



गुरमत प्रसार सेवा सोसाइटी ने जीवन-जुगत पर सेमिनार आयोजित किया



पैग़ाम-ऐ-जगत/अमृतसर
27 सितंबर (हरमिंदर नागपाल)

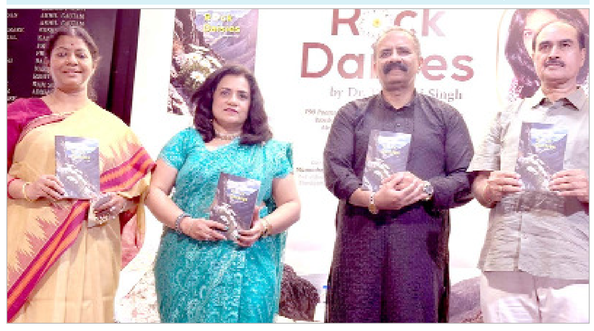
गुरमत प्रसार सेवा सोसाइटी (रजिस्टर्ड) ने गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी, सेक्टर 34, चंडीगढ़ में 'जीवन-जुगत सेमिनार' आयोजित किया। डीपी सिंह, पूर्व सीईओ तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, पूर्व सीईओ हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, पूर्व डीजीएम पंजाब एंड सिंध बैंक, सदस्य, सलाहकार और पूर्व अध्यक्ष जीपीएसएस, शाखा प्रभारी तेरा ही तेरा मेडिकोज ने कहा कि यह सेमिनार धन-धन साहिब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पहले प्रकाश पर्व और गुरुगद्दी दिवस को समर्पित था। सेमिनार में लगभग 125 लोगों ने भाग लिया। सेमिनार का विषय 'सेवा की सिख अवधारणा' था। तीन प्रतिष्ठित वक्ताओं ने आध्यात्मिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से सेवा की अवधारणा पर चर्चा की। डॉ. अमरदीप कौर, MCM DAV कॉलेज, चंडीगढ़; और डॉ. तरुणदीप सिंह, एडिशनल प्रोफेसर, PGI चंडीगढ़ (MBBS, MD), ने सेवा के अलग-अलग पहलुओं पर अपने विचार शेयर किए।

स्पीकर्स ने बताया कि सेवा सिख जीवन का एक मुख्य सिद्धांत है, जो विनम्रता और दया की भावना को बढ़ावा देता है और समाज की भलाई और मजबूती में योगदान देता है। इस मौके पर, सोसाइटी के प्रेसिडेंट, श्री हर्षबीर सिंह ने स्पीकर्स और गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, सेक्टर 34 के प्रेसिडेंट, श्री तेजवंत सिंह गिल को उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सेवा को सिख जीवन का एक अहम हिस्सा बनाने और इसकी भावना को रोज़ाना की ज़िंदगी में अपनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। ऑर्गनाइज़िंग कमिटी ने स्पीकर्स और प्रेसिडेंट, श्री तेजवंत सिंह गिल को सिरोपे देकर सम्मानित किया। अरदास के बाद गुरु का लंगर परोसने के साथ सेमिनार खत्म हुआ।

जंग के मैदान से दिल तक पहुंचीं 190 कविताएं, 'रॉक डेजीज' का विमोचन

पैग़ाम-ऐ-जगत
चंडीगढ़ (हरमिंदर नागपाल)

- **युद्ध, आतंकवाद और भू-राजनीति के बीच प्रेम, विरह और महिलाओं के साहस को आवाज देती हैं डॉ. देवियानी सिंह की कविताएं**



युद्ध के मैदान से लेकर इंसानी दिल की गहराइयों तक की यात्रा कराती 190 कविताओं की पुस्तक 'रॉक डेजीज' का रविवार को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में विमोचन हुआ। पुस्तक की लेखिका डॉ. देवियानी सिंह ने अपनी कविताओं में युद्ध, भू-राजनीति और आतंकवाद जैसे कठोर विषयों के साथ प्रेम, विरह, पर्यावरण, नुकसान और महिलाओं के साहस को संवेदनशील शब्द दिए हैं।

पुस्तक का विमोचन हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव विजय वर्धन, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। सुभाष भास्कर सेक्रेटरी चंडीगढ़ साहित्य अकादमी की विशिष्ट उपस्थिति रही ।

'रॉक डेजीज' की कविताओं में युद्ध कक्षों की रणनीतियों से लेकर जंगलों और बदलती जलवायु तक के संदर्भ दिखाई देते हैं। लेखिका ने सर्जिकल कपलेट्स और सधे हुए क्वाट्रेन्स के माध्यम से वैश्विक घटनाओं को मानवीय भावनाओं से जोड़ने का प्रयास किया है। प्रेम और विरह के साथ-साथ पुस्तक में महिलाओं के उस शांत लेकिन दृढ़ साहस को भी अभिव्यक्ति मिली है, जो कठिन परिस्थितियों में उन्हें मजबूती देता है। डॉ. देवियानी सिंह अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद विषय में पीएचडी हैं। वह दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्यापन के साथ लोकसभा सचिवालय की विदेश मामलों की समिति में भी कार्य कर चुकी हैं। वर्तमान में वह एक शिक्षा पत्रिका की संपादक और रचनात्मक लेखन की मेंटर हैं। लेखिका ने बताया कि 'रॉक डेजीज' उनकी मां को समर्पित है। उनके अनुसार, कविताएं केवल घटनाओं का वर्णन नहीं करतीं, बल्कि उन घटनाओं के बीच मौजूद मानवीय भावनाओं और रिश्तों को समझने की कोशिश हैं।

मधुबन में 75वें अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती समूह 2026-27 का समापन

पैग़ाम-ऐ-जगत/मधुबन/ करनाल
27 सितंबर (प्रवीण वालिया)

- **बी.एस. संधु, पूर्व महानिदेशक, हरियाणा पुलिस ने बतौर मुख्यातिथी की समापन समारोह में शिरकत**
- **37 टीमों के 1,443 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, 81 स्वर्ण, 81 रजत और 131 कांस्य पदकों के लिए हुआ मुकाबला**



पुलिस परिसर मधुबन स्थित वच्छेर स्टेडियम में आज 75वें अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती समूह 2026-27 का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि श्री बी.एस. संधु, पूर्व महानिदेशक, हरियाणा पुलिस ने प्रतियोगिता का विधिवत समापन किया।

यह अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती समूह 23 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें देशभर की 37 टीमों के कुल 1,443 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इनमें 1,051 पुरुष एवं 392 महिला खिलाड़ी शामिल रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में 130 तकनीकी अधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के दौरान आर्म रेसलिंग (हाथ कुश्ती), बॉडी बिल्डिंग, बॉक्सिंग और कुश्ती के पुरुष एवं महिला वर्गों में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, शारीरिक क्षमता, अनुशासन और जुझारूपन का शानदार प्रदर्शन किया। इस खेल प्रतियोगिता में CISF के द्वारा 22 स्वर्ण, 08 रजत व 20 कांस्य पदक जीत कर प्रथम स्थान, Uttar Pradesh Police के द्वारा 14 स्वर्ण, 22 रजत व 16 कांस्य पदक जीत कर द्वितीय स्थान और क्रास्त्र के द्वारा 11 स्वर्ण, 07 रजत व 13 कांस्य पदक जीत कर तृतीय स्थान प्राप्त किया गया हैं।

विभिन्न खेलों में विजेता एवं उपविजेता टीमों ने हासिल की ट्रॉफियां

आर्म रेसलिंग के पुरुष एवं महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश ने विजेता तथा पंजाब और राजस्थान ने क्रमशः पुरुष एवं महिला वर्ग में उपविजेता ट्रॉफी हासिल की। बॉडी बिल्डिंग के पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश विजेता रहा, जबकि सीआईएसएफ, पंजाब और केरल ने संयुक्त रूप से उपविजेता ट्रॉफी प्राप्त की। महिला वर्ग में महाराष्ट्र ने विजेता तथा असम ने उपविजेता ट्रॉफी हासिल की। बॉक्सिंग के पुरुष एवं महिला वर्ग में बीएसएफ ने विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया।

पुरुष वर्ग में आईटीबीपी तथा महिला वर्ग में एसएसबी उपविजेता रहे। कुश्ती के पुरुष फ्री स्टाइल एवं ग्रीको-रोमन दोनों वर्गों में सीआईएसएफ ने विजेता तथा उत्तर प्रदेश ने उपविजेता ट्रॉफी हासिल की। वहीं, महिला फ्री स्टाइल कुश्ती में बीएसएफ विजेता तथा सीआईएसएफ उपविजेता रहा।

नशे के खिलाफ मैदान में उतरेंगी 32 टीमें, दांव पर 21 लाख का खिताब

पैग़ाम-ऐ-जगत
चंडीगढ़ (हरमिंदर नागपाल)

- **आज सीएम सैनी करेंगे नमो क्रिकेट लीग का आगाज; 3400 टीमों और 55 हजार खिलाड़ियों की भागीदारी, कंवर ग्रेवाल की होगी प्रस्तुति**



नशे के खिलाफ मुहिम को क्रिकेट के मैदान से ताकत देने के लिए पंचकूला में सोमवार से नमो क्रिकेट लीग का फाइनल चरण शुरू होगा। सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवी लाल क्रिकेट स्टेडियम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लीग का शुभारंभ करेंगे। उद्घाटन पर पंजाबी गायक कंवर ग्रेवाल प्रस्तुति देंगे। 28 सितंबर से 4 अक्टूबर तक चलने वाले मुकाबलों में अलग-अलग जिलों की 32 विजेता टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

आयोजक सुदेश भंडारी चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य संजीव सूद ने बताया कि लीग में 3400 टीमों और करीब 55 हजार खिलाड़ियों की भागीदारी हुई है।

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में जिला-जोनल स्तर के करीब 90% मुकाबले पूरे हो चुके हैं। पंचकूला की 92 टीमों में बिल्ला गांव की टीम चैंपियन बनकर अंतिम 32 में पहुंची है।

21 लाख विजेता के, 11 लाख रनरअप को: विजेता टीम को 21 लाख, उपविजेता को 11 लाख, तीसरे स्थान पर 5 लाख और चौथे स्थान पर 2.5 लाख रुपए मिलेंगे। प्लेयर ऑफ द सीरीज को ईवी वाहन समेत अन्य पुरस्कार दिए जाएंगे। मुकाबले 10-10 ओवर के होंगे और दोपहर 2 बजे से रात 2 बजे तक फ्लड लाइट में चलेंगे। दर्शकों की एंट्री फ्री रहेगी। 14 ओटीटी चैनलों पर लाइव प्रसारण होगा।

कम्बोपुरा हत्याकांड मामले में करनाल पुलिस की त्वरित कार्रवाई, तीन आरोपी काबू

पैग़ाम-ऐ-जगत/करनाल
27 सितंबर (प्रवीण वालिया)

जिला पुलिस करनाल द्वारा पुलिस अधीक्षक करनाल श्री करन गोयल, आईपीएस के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना मधुबन क्षेत्र के गांव कम्बोपुरा में हुए आपसी लड़ाई-झगड़े के दौरान एक व्यक्ति की मृत्यु के मामले में थाना मधुबन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को काबू किया है। काबू किए गए आरोपियों में मुख्य आरोपी अक्षय पुत्र राजेंद्र निवासी गांव कम्बोपुरा, जिला करनाल व दो अन्य साथी शामिल हैं।

थाना प्रभारी मधुबन निरीक्षक लखबीर सिंह ने बताया कि दिनांक 25 सितंबर 2026 को थाना मधुबन पुलिस को कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि गांव कम्बोपुरा में दो पक्षों के बीच लड़ाई-झगड़ा हुआ है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस को जानकारी मिली कि झगड़े के दौरान राजपाल तथा उसका पुत्र कमल घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों द्वारा राजपाल को मृत घोषित कर दिया गया।

इस संबंध में मृतक के पुत्र कमल की शिकायत पर थाना मधुबन में मुकदमा नंबर 334 दिनांक 25 सितंबर 2026 संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना मधुबन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में शामिल तीनों आरोपियों को काबू कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त एक लकड़ी का डंडा भी बरामद किया गया है। टीम द्वारा तीनों आरोपियान को माननीय न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत जिला जेल में भेज दिया गया है।

पुलिस द्वारा मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल से संबंधित साक्ष्यों एवं अन्य उपलब्ध तथ्यों को कब्जे में लेकर मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए नियमानुसार आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

सीबीएसई स्कूलों में दिन में तीन बार अटेंडेंस का प्रवक्ता संघ ने किया विरोध

पैग़ाम-ऐ-जगत/हरोली/ऊना
25 सितंबर (राजवीर चोपड़ा)

- **शिक्षकों की यूनिफॉर्म लागू करने पर यूनिफॉर्म भत्ता देने की मांग, बोर्ड की बढ़ी रजिस्ट्रेशन फीस वापस लेने की उठाई आवाज**

हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ ऊना की ओर से हरोली में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष शशिपाल सैनी और महासचिव संजीव कुमार ने प्रेस को संबोधित करते हुए सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों से दिन में तीन बार उपस्थिति दर्ज करवाने के निर्णय का कड़ा विरोध किया। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के किसी भी अन्य विभाग में कर्मचारियों से दिन में तीन बार उपस्थिति दर्ज नहीं करवाई जा रही है। ऐसे में शिक्षा विभाग में सीबीएसई शिक्षकों के लिए दिन में तीन बार अटेंडेंस की व्यवस्था लागू करने का औचित्य स्पष्ट किया जाना चाहिए।

संघ ने सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों के लिए यूनिफॉर्म लागू करने का भी विरोध जताया। पदाधिकारियों ने कहा कि यदि शिक्षकों के लिए यूनिफॉर्म अनिवार्य की जाती है तो सरकार को शिक्षकों को यूनिफॉर्म भत्ता भी प्रदान करना चाहिए। संघ ने सरकार से इस संबंध में जल्द स्पष्ट नीति और यूनिफॉर्म भत्ते की घोषणा करने की मांग की।

प्रवक्ता संघ ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से रजिस्ट्रेशन फीस में की गई बढ़ोतरी पर भी आपत्ति जताई। संघ के अनुसार पहले नौवीं कक्षा में रजिस्ट्रेशन फीस 50 रुपये ली जाती थी, जिसे बढ़ाकर अब 200 रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा 11वीं कक्षा में विद्यार्थियों से दोबारा रजिस्ट्रेशन फीस लिए जाने का भी संघ ने विरोध किया। संघ ने इसे विद्यार्थियों और अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताते हुए फीस व्यवस्था पर पुनर्विचार करने की मांग की।

संघ ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से पिछले वर्ष का लंबित मानदेय जल्द जारी करने की मांग की। इसमें उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन सहित अन्य लंबित मानदेय शामिल हैं। पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों से समय पर कार्य लिया जाता है, इसलिए उनके लंबित भुगतान को भी समयबद्ध तरीके से जारी किया जाना चाहिए।

इसके अलावा संघ ने प्रदेश सरकार से लंबित डीए की किश्तें जल्द जारी करने तथा पे-कमीशन के लंबित एरियर का भुगतान करने की मांग उठाई। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों से जुड़े इन वित्तीय मामलों का जल्द समाधान किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकुमार, यशपाल धीमान, चीफ प्रेस सेक्रेटरी सतीश कालिया, ब्लॉक हरोली एडवाइजर रवि राणा, ब्लॉक अध्यक्ष संजीव कुमार, उपाध्यक्ष राजीव कुमार, वेब सेक्रेटरी विपिन शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट संदीप धीमान, अरुण पाठक, ज्वाइंट सेक्रेटरी राकेश कुमार, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी पूनम बहरा, समन्वय समिति अध्यक्ष नरेश सैनी, जिला स्टीयरिंग कमेटी वाइस चेयरमैन नवीन धीमान, एजुकेशन बोर्ड समिति वाइस चेयरमैन सुभाष सैनी, परफॉर्मेंस रिव्यू कमेटी चेयरमैन गुरमीत सिंह, मीडिया सेक्रेटरी अंकुर महे, रविश बग्गा, धर्मेंद्र चौधरी सहित प्रवक्ता कमलजीत सिंह, पुरुषोत्तम कुमार, पवन बग्गा, सुरेंद्र कुमार, राहुल लठ, दविंदर सिंह, बलजीत सैनी, संदीप कुमार, सरबजीत, रेनू बाला, अविनाश कुमार, अनीता गिल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री जयंती समारोह 29 सितंबर को, गुरदास मान की प्रस्तुति बनेगी खास आकर्षण

ऊना, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)



प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री जयंती समारोह का आयोजन 29 सितंबर को प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय, हरोली के परिसर में किया जाएगा। प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री फाउंडेशन द्वारा आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे आरंभ होगा। समारोह का विशेष आकर्षण प्रसिद्ध पंजाबी गायक गुरदास मान की प्रस्तुति रहेगी।

समारोह में प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री के जीवन, शिक्षा, शोध एवं सामाजिक सरोकारों में उनके योगदान को स्मरण किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न नाट्य दलों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

गौरतलब है कि 29 सितंबर, 1968 को मंडी में जन्मीं प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री ने शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की धर्मपत्नी प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में वरिष्ठ प्रोफेसर के रूप में अध्यापन, शोध एवं विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया। जनजातीय सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, स्थानीय शासन, मानव संसाधन विकास और ग्रामीण रोजगार जैसे विषयों पर उनका शोध कार्य समाजोपयोगी दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है।

प्रो. अग्निहोत्री ने अपने अकादमिक जीवन में अनेक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। शिक्षा के साथ-साथ उनकी कला, संस्कृति, संगीत और साहित्य में भी गहरी रुचि थी।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री का 9 फरवरी, 2024 को निधन हो गया। उनका जीवन शिक्षा, शोध, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन और समाज के प्रति संवेदनशील सोच को समर्पित रहा। उनके नाम पर स्थापित महाविद्यालय उनके शैक्षणिक विचारों और मूल्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहा है। महाविद्यालय का नाम 12 मार्च, 2024 की सरकारी अधिसूचना के माध्यम से प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय, हरोली रखा गया था।

"पैगाम-ऐ-जगत"
NEWS & WEB CHANNEL
HEAD OFFICE
F 388, Industrial Area,
Sector 74, Sahibzada Ajit
Singh Nagar, Punjab 160071
CONTACT : +91 9878862733, 9872340701
ਛੋਟਾ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਵੱਡਾ ਵਪਾਰ
"ਪੈਗਾਮ-ਏ-ਜਗਤ" ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਲਾਸੀਫਾਈਡ ਜੌਬਜ਼, ਵਪਾਰ, ਨਾਮ ਪਰਿਵਰਤਨ, ਵਿਆਹ ਸੰਬੰਧੀ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਆਦਿ ਲਈ ਘਰ ਬੈਠੇ ਬੁਕਿੰਗ ਕਰੋ।

पेज एक का शेष

बेअदबी करने वालों...

नहीं कि इस कानून ने बेअदबी की बार-बार हो रही घटनाओं के कारण सिख संगत के आहत हृदयों को राहत प्रदान की है। पहली बार ऐसा घिनौना अपराध करने के बारे में सोचने वालों में भय की भावना पैदा हो रही है। उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य बेअदबी के दोषियों के लिए सख्त से सख्त सजा सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी व्यक्ति कभी भी ऐसा गंभीर अपराध करने का साहस न कर सके। 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026' की कुछ धाराओं को लेकर कुछ आशंकाएं व्यक्त की गई हैं और हम इन आशंकाओं पर पूरी तरह विचार करने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, इस उद्देश्य के लिए हमारी सरकार ने धार्मिक क्षेत्र से जुड़ी प्रतिष्ठित शख्सियतों, बुद्धिजीवियों और कानूनी विशेषज्ञों वाली सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित पैनल के साथ विस्तृत विचार-विमर्श करेगी और राज्य सरकार को उचित मार्गदर्शन देने से पहले कानून के प्रत्येक पहलू की गहन समीक्षा करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रस्तावित संशोधनों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी, ताकि सभी कानूनी, संवैधानिक और अन्य संबंधित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कोई उचित समाधान निकाला जा सके। मैंने नोडल अधिकारी, पी.सी.एस. हरजीत सिंह संधू को निर्देश दिया है कि वे भविष्य की बैठकों के लिए पूर्ण समन्वय सुनिश्चित करें और कमेटी को आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने कमेटी के सदस्यों को श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित पैनल के साथ लगातार बैठकें करने के लिए कहा है, ताकि आपसी विचार-विमर्श और सहमति के माध्यम से आवश्यकता के अनुसार कानून में जरूरी संशोधन करने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। इसके लिए निरंतर बैठकें की जानी चाहिए, ताकि दोनों पक्षों की संतुष्टि के बाद सर्वसम्मति बनाई जा सके। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, श्री अकाल तख्त साहिब हम सभी के लिए सर्वोच्च हैं और मैं स्वयं को सौभाग्यशाली समझता हूं कि मुझे बेअदबी की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कानून बनाकर सेवा करने का अवसर मिला है। हमारी सरकार इस पूरी प्रक्रिया को पूर्ण सम्मान और संवेदनशीलता के साथ पूरा करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, यह विधेयक कानूनी विशेषज्ञों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया था, जिसका स्पष्ट उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि इसमें ऐसी कोई कमी या खामी न रह जाए, जो भविष्य में इसकी प्रभावशीलता को कमजोर कर सके। जब भी बेअदबी की कोई घटना होती है तो यह लोगों के हृदय और भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाती है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

बैठक में शामिल सात सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति में श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह, दमदमी टकसाल का प्रतिनिधित्व कर रहे बाबा साहिब सिंह, संत बाबा सेवा सिंह रामपुर खेड़ा, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जसपाल सिंह, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गुरबीर सिंह, आईपीएस (सेवानिवृत्त) जतिंदर सिंह औलख तथा कानूनी अधिकारी प्रीत इंदर पाल सिंह शामिल थे। दमदमी टकसाल के प्रमुख संत ज्ञानी हरनाम सिंह खालसा ने बैठक में ऑनलाइन भाग लिया। इस अवसर पर पंजाब ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के निदेशक एल.के. यादव, अधिवक्ता जी.एस. घुम्मण और जी.पी.एस. घुम्मण के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

आज से बैंकों...

खुली रहेंगी। यह तीन दिवसीय हड़ताल 11 सितंबर को आयोजित एक दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के बाद की जा रही है। सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकांश बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों ने अपने ग्राहकों को हड़ताल और उससे होने वाली संभावित असुविधा के बारे में सूचित कर दिया है।

'मन की बात'...

होने को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'जिन मासूम लोगों ने अपनी जानें गँवाईं, उनमें अमेरिकियों के बाद सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की थी।' 13 सितंबर 2008 को दिल्ली में हुए सिलसिलेवार धमाकों और 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों को याद करते हुए मोदी ने कहा कि एक समय था जब देश में सिलसिलेवार धमाके आम बात हो गए थे। उन्होंने कहा कि अतीत में आतंकवादी हमलों के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की मांगें उठाई जाती थीं, लेकिन ऐसी मांगों पर अक्सर उचित ध्यान नहीं दिया जाता था। उन्होंने कहा, 'आज, भारत आतंकवाद के प्रति ज़ीरो-टॉलरेंस (शून्य-सहनशीलता नीति) का पालन करता है, और हम उसके परिणाम देख रहे हैं।' मोदी ने यह भी बताया कि जनगणना का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा, '32 करोड़ से अधिक परिवारों का डेटा पहले ही दर्ज किया जा चुका है। इस समय लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और उत्तराखंड के दुर्गम, बर्फ से ढके क्षेत्रों में भी काम चल रहा है। इन क्षेत्रों से कई प्रेरणादायक अनुभव सामने आए हैं।

यू.पी.आई. पर 0.4%...

करीब 500 करोड़ रुपये का असहनीय बोझ पड़ेगा। सिंह ने कहा, ''अगर हम डिजिटल भारत चाहते हैं, तो यू.पी.आई. पर एम.डी.आर. शून्य ही रहना चाहिए। यह यू.पी.आई. या डिजिटल भारत के खिलाफ कोई विरोध नहीं है। हमारी चिंता केवल डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले व्यापारियों पर डाले जा रहे अतिरिक्त वित्तीय बोझ को लेकर है। हमारी स्पष्ट मांग है कि यू.पी.आई. को 'शून्य एम.डी.आर.' ढांचे के तहत ही जारी रखा जाना चाहिए।''

नेपाल में फिर...

घर और पुल बह गए हैं। कई जगह हाईवे बंद होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। बुटवल में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 1,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ में 1453 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5500 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं।

पूर्व ईडी अधिकारी...

चर्चा थी कि पार्टी द्वारा निरंजन सिंह को करतारपुर विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी थी। जानकारी के अनुसार, इस पार्टी में शामिल होने के बाद सोशल मीडिया पर निरंजन सिंह के खिलाफ भी विरोध के स्वर उभरे थे।

अंबाला में निर्माणाधीन...

पहचान हो गई है। राजेंद्र अंबाला के सोंडा गांव का रहने वाला था, जबकि कालिया उत्तर प्रदेश के बाराबंकी का रहने वाला था। तीसरे मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बहराइच के 50 वर्षीय शास्त्री के रूप में हुई है। चौथे मृतक की पहचान रूप सिंह के रूप में हुई है, जो पंजाब के डांग डेरा गांव का रहने वाला है। बचाव कार्य को सुचारू बनाने के लिए वैकल्पिक रोशनी का प्रबंध किया गया है। मलबा हटाने के लिए हाइड्रा का इस्तेमाल किया जा रहा है।

संपादक-दविंदर कुमार प्रिंटर, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकिंग लिमिटेड, प्लॉट 22 और 49 जीएफ, इंडस्ट्री एरिया, फेज-2 पंचकुला (हरियाणा) से प्रकाशित Title code : CHAMUL00914
Editor-Davinder Kumar printed at Impression Printing & Packaging Ltd.Plot 22 & 49GF, Industrial Area, Phase-2 Panchkula(Haryana)-134115

‘सुख-आश्रय’ से अबकी बरसात चैन से सोये अभिषेक, पक्के घर की हसरत हुई पूरी

ऊना, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

पहले बरसात आते ही ऊना जिले के बहडाला के अभिषेक कुमार की चिंता बढ़ जाती थी। कच्चे मकान की छत और दीवारों को लेकर मन में यही सवाल रहता कि इस बार बारिश कितनी परेशानी लेकर आएगी। पक्का घर बनाने की इच्छा थी, लेकिन दिहाड़ी-मजदूरी से होने वाली सीमित आमदनी में यह संभव नहीं हो पा रहा था। बरसात आते ही यह चिंता और गहरा जाती थी। लेकिन इस बार अभिषेक ने बरसात चिंता में नहीं, चैन से गुजारी। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की पहल पर शुरू हुई मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत मिली तीन लाख रुपये की सहायता ने उनके पक्के घर की हसरत पूरी करने में महत्वपूर्ण मदद की। अपनी जमा पूंजी के साथ योजना से मिली सहायता से 24 वर्षीय अभिषेक ने अपने पक्के घर की हसरत पूरी कर ली है।



वर्ष 2006 में पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी अभिषेक के सामने आ गई। उनके पिता दिहाड़ी-मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते थे। वर्ष 2016 में मां का भी निधन हो गया। माता-पिता के जाने के बाद अभिषेक को कम उम्र में ही अपनी जिंदगी संभालने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। उन्होंने मजदूरी की और इसके साथ अपनी पढ़ाई भी पूरी की।

कच्चे मकान में रहते हुए बरसात के दिनों में परेशानी बनी रहती थी। नया पक्का मकान बनाने की जरूरत महसूस होती थी, लेकिन रोजमर्रा के खर्चों के बीच इसके लिए रकम जुटा पाना आसान नहीं था। इसी दौरान अभिषेक को मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना की जानकारी मिली।

उन्होंने स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क किया। इसके बाद उन्हें जिला बाल संरक्षण अधिकारी कार्यालय, ऊना से जोड़ा गया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद योजना के तहत आवास निर्माण के लिए उन्हें तीन लाख रुपये की सहायता चार किस्तों में मिली। अभिषेक ने अपनी जमा पूंजी के साथ इस सहायता का उपयोग कर उसी भूमि पर नया पक्का मकान तैयार किया है।

सुख-आश्रय योजना के तहत अभिषेक को जीवन-यापन के लिए हर माह चार हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी मिल रही है। उनका कहना है कि माता-पिता के जाने के बाद जीवन संभालना मुश्किल था। सरकार से मिली सहायता से घर बनाने में मदद मिली और हर माह मिलने वाली आर्थिक सहायता से रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में भी सहारा मिल रहा है।

अभिषेक मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना 28 फरवरी, 2023 को मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की पहल पर शुरू की गई थी। योजना के तहत माता-पिता का संरक्षण खो चुके बच्चों और युवाओं की शिक्षा, देखभाल, आवास और अन्य आवश्यक जरूरतों के लिए सहायता का प्रावधान किया गया है।

हिमाचल प्रदेश ने अनाथ बच्चों को ‘चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट’ का कानूनी दर्जा दिया है। पात्र बच्चों और युवाओं को 27 वर्ष की आयु तक सहायता दी जा रही है। शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, विवाह सहायता और आवास के साथ पात्र युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए दो लाख रुपये तक की सहायता का भी प्रावधान है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) ऊना हरीश मिश्रा ने बताया कि योजना के तहत पात्र बच्चों और युवाओं को शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, विवाह सहायता और आवास निर्माण सहित विभिन्न जरूरतों के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देशानुसार जिला प्रशासन पात्र बच्चों और युवाओं तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना जरूरतमंद बच्चों और युवाओं को शिक्षा, आवास तथा जीवन की अन्य आवश्यक जरूरतों में सहारा दे रही है।

किसानों के मुद्दों को लेकर संघर्ष तेज करने का आह्वान, नरिन्दर सिंह मजारा बने किसान सभा के जिला प्रधान

पैग़ाम-ऐ-जगत/हरोली/ऊना
25 सितंबर (राजवीर चोपड़ा)

हिमाचल किसान सभा का 25वां जिला स्तरीय सम्मेलन रविवार को साथी कर्मचंद हाल में संपन्न हुआ। सम्मेलन में जिला ऊना के विभिन्न क्षेत्रों से किसान प्रतिनिधियों और डेलिगेट्स ने भाग लिया।

सम्मेलन में किसानों की समस्याओं, उनकी मांगों और आगामी संघर्षों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

सम्मेलन में हिमाचल किसान सभा के राज्य अध्यक्ष कुलदीप सिंह तंवर विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभा के सचिव केके राणा ने बताया कि यह जिला ऊना किसान सभा का 25वां सम्मेलन है।

इस दौरान रंजीत सिंह मलूकपुर ने पिछले कार्यकाल की रिपोर्ट प्रस्तुत की और किसान सभा की ओर से किए गए संघर्षों तथा हासिल की गई उपलब्धियों का ब्यौरा रखा।

राज्य अध्यक्ष कुलदीप सिंह तंवर ने किसानों की अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और हिमाचल स्तर की परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी मांगों और अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें उद्योगपतियों के हितों को प्राथमिकता दे रही हैं और बड़े उद्योगपतियों के भारी-भरकम कर्ज माफ किए जा रहे हैं।



जबकि किसान छोटे-छोटे कर्ज के बोझ तले परेशान होकर आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं।

सम्मेलन में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए किसानों की आय, कर्ज, फसलों के उचित दाम, कृषि लागत और किसान हितों से जुड़े अन्य सवालों को लेकर संघर्ष को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान केवल आश्वासनों से नहीं, बल्कि ठोस नीतियों और प्रभावी कदमों से होना चाहिए।

सम्मेलन के दौरान 14 सदस्यीय जिला कमेटी का गठन किया गया। इसमें नरिन्दर सिंह मजारा को सर्वसम्मति से जिला प्रधान, केके राणा को सचिव तथा रंजीत सिंह मलूकपुर को कोषाध्यक्ष चुना गया।

इसके अलावा मजीद खान उपाध्यक्ष, धलुम सिंह सह-सचिव तथा जोगा सिंह मजारा, कुशल कुमार, संतोख सिंह, विकास दत्ता, सुखपाल सिंह, सुरिंदर शर्मा, सतीश चौधरी, वरह्मानंद और जसविंदर सिंह को कमेटी का सदस्य चुना गया।

नई जिला कमेटी ने आगामी कार्यों की रणनीति पर भी चर्चा की। किसान सभा ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में किसानों की मांगों और स्थानीय कृषि समस्याओं को लेकर गांव-गांव संपर्क और संघर्ष को तेज किया जाएगा, ताकि किसानों की आवाज को मजबूती से सरकार और प्रशासन तक पहुंचाया जा सके।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर गरजे किसान-मजदूर, धान खरीद में शर्तें हटवाने व डीएपी के लिए हुंकार, दिल्ली हाईवे जाम करने की चेतावनी

धान बेचने में परेशानी आई तो हाईवे करेंगे जाम: मनदीप नथवान

पैगाम-ऐ-जगत/रतिया
27 सितंबर (एडवोकेट गुरप्रीत मंडेर)

शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्म दिवस को समर्पित पगड़ी सम्भाल जट्टा किसान संघर्ष समिति हरियाणा के बैनर तले रतिया अनाज मण्डी में आयोजित जिला स्तरीय किसान-मजदूर पंचायत में किसानों और मजदूरों का बड़ा जमावड़ा देखने को मिला। इस पंचायत की अध्यक्षता जिला प्रधान ओमप्रकाश हसंगा व उप प्रधान गग्गी चहल ने की, जबकि मंच का संचालन जिला सचिव महेंद्र मोची एवं सुखचैन सिंह ने संयुक्त रूप से किया। पंचायत में आल इंडिया किसान मजदूर जत्थेबंदी और हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चे की पूरी शीर्ष लीडरशिप सहित प्रदेशभर के किसान नेता शामिल हुए।

पंचायत को संबोधित करते हुए वरिष्ठ किसान नेता कुलवंत सिंह संधू ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ट्रेड डील के नाम पर देश को बड़े सरमायेदारों और कॉरपोरेट घरानों के हाथों में सौंपने की साजिश रच रही है। किसानों और मजदूरों को एकजुट होकर इस कॉरपोरेट लूट का विरोध करना होगा। किसान नेता मनदीप नथवान ने कहा कि सरकार धान की खरीद पर 28 क्विंटल प्रति एकड़ जैसी अनाप-शनाप शर्तें थोप रही है, जिसे किसान कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसानों को मंडियों में धान बेचने में कोई परेशानी आई, तो किसान दिल्ली हाईवे बंद करने से पीछे नहीं हटेंगे। महासभा के दौरान किसान नेताओं ने नशे व गुंडागर्दी पर रोक लगाने की मांग की, जबकि किसान नेत्री जसबीर कौर नत ने आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। राज्य सचिव संदीप सिवाच और किसान महासभा के विनोद कुमार ने हरियाणा सरकार की नीतियों को दमनकारी करार दिया।



पंचायत में सरकार से की गई 14 प्रमुख मांगें

इस पंचायत के माध्यम से किसान-मजदूरों की समस्याओं को लेकर 14 सूत्रीय मांग पत्र रखा गया। पंचायत ने मांग की कि मंडियों में धान की तुरंत खरीद शुरू की जाए और खरीद पर लगाई गई प्रति एकड़ 28 क्विंटल की शर्त को तुरंत हटाया जाए। किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद उपलब्ध करवाई जाए तथा खाद की कालाबाजारी पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। फतेहाबाद जिले को तुरंत प्रभाव से सूखाग्रस्त घोषित कर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए और फसल बीमा कंपनियों द्वारा की जा रही कथित लूट व अनियमितताओं पर रोक लगाई जाए। इसके अलावा बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया बंद करने, खेत मजदूरों को पर्याप्त रोजगार व काम उपलब्ध कराने, नशा तस्करों व गुंडागर्दी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, फसलों का एमएसपी पर लाभकारी मूल्य व समय पर भुगतान देने तथा किसानों-मजदूरों पर बढ़ते कर्ज के बोझ को कम करने के लिए ठोस नीति बनाने की मांग की गई। साथ ही खेतों में सिंचाई के लिए नहरों में टेल तक पर्याप्त पानी छोड़ने, नकली दूध व मिलावटी खाद्य पदार्थों पर नकेल कसने और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य व शिक्षा सेवाओं को सुदृढ़ करने की पुरजोर मांग उठाई गई।

पंचायत में ये प्रमुख नेता रहे मौजूद

पंचायत में ब्लॉक ए फतेहाबाद प्रधान लवी बाठ, सचिव सुरेश गढ़वाल, ब्लॉक बी फतेहाबाद प्रधान कर्मजीत सिंह सालमखेड़ा, सचिव रामपाल, ब्लॉक ए रतिया प्रधान गुरलाल नथवान, ब्लॉक बी रतिया प्रधान नाहर सिंह, सचिव गग्गी चहल, ब्लॉक भूना प्रधान कमल बराड़, सचिव सूखा भण्डाल, ब्लॉक टोहाना प्रधान मंजीत पूर्णमाजरा, सचिव बलविंदर ललौदा, ब्लॉक जाखल प्रधान लाभ सिंह, सचिव हरविंदर बेनीपाल, ब्लॉक भट्टू प्रधान कपिल, सचिव सतपाल खवाड़ा, अंबाला से शहीद भगत सिंह किसान यूनियन के अमरजीत सिंह मोहड़ी, बीकेयू पेहवा से प्रिंस वड़ैच, हिसार जिला प्रधान सतीश बेनीवाल, सरपंच कंवलजीत कौर, मैक्स साहूवाल, रणजीत गिल (चढ़ूनी) और रविंद्र सिंह हिजरावां सहित भारी संख्या में किसान-मजदूर उपस्थित रहे।

श्रीनगर कश्मीर में होने वाली सीनियर राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता के लिए हरियाणा के 80 खिलाड़ी एवं ऑफिशियल कोचस हुए रवाना



पैगाम-ऐ-जगत/रतिया
27 सितंबर (एडवोकेट गुरप्रीत सिंह मंडेर)

श्रीनगर कश्मीर में होने वाली सीनियर राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता के लिए हरियाणा के विभिन्न जिलों से 80 खिलाड़ी एवं ऑफिशियल कोचस आज गुरु नानक डिफेंस एवं स्पोर्ट्स अकैडमी रतिया से रवाना हुए।

राष्ट्रीय स्तर की गतका प्रतियोगिता 29 सितंबर से 01 अक्टूबर तक श्रीनगर के शेरे ए कश्मीर के इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चलेगी। हरियाणा टीम की अगुवाई गुरजीत सिंह रतिया , टेक्निकल बलतेज सिंह सिरसा , टेक्निकल गुरध्यान सिंह, डेमो कोच प्रभशरण सिंह टोहाना, फाइट कोच सुखचैन सिंह फतेहाबाद, सहायक टीटू गिल फतेहाबाद,टीम मैनेजर रणजीत कौर हिसार , सहायक गुरवांश सिंह उकलाना, कोच संपत सिंह सिरसा, सहायक जीत कौर ऐलनाबाद , एडिटर अवी सिंह फतेहाबाद 80 गतका खिलाड़ियों के साथ रवाना हुए। हरियाणा टीम को भाजपा रतिया सिटी अध्यक्ष अंकित सिंगला अथवा गतका एसोसिएशन के चेयरमैन स्वर्ण सिंह रतिया ने हरी झंडी देकर रवाना किया।गतका मुकाबले सिंगल सोटी,फरी सोटी अथवा डेमो इवेंट्स में भाग लेंगे। गतका मुकाबले 19 वर्ष के आयु वर्ग से लेकर 30 आयु वर्ष के आयु वर्ग में व्यक्तिगत अथवा टीम में होगे। गतका एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के चेयरमैन स्वर्ण सिंह रतिया ने हरियाणा टीम को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर प्रिसिपल जसबीर कौर, सरपंच पलविंदर सिंह हंसपुर, सरपंच यादविंदर सिंह, डायरेक्टर मलकीत सिंह संधू, रमनदीप कौर फतेहाबाद, गुरु नानक डिफेंस × स्पोर्ट्स अकैडमी के हेड कोच सुमित कुमार जींद, प्रोफेसर बनवारी लाल राजस्थान प्रोफेसर अनुज कुमार राजस्थान अथवा कश्मीर सिंह लाली मौजूद रहे।

खेलकूद किसी वरदान से कम नहीं : राजीव वालिया

पैग़ाम-ऐ-जगत
होशियारपुर/दलजीत अजनोहा

एमेच्योर मूअ थाई ऐसोसिएशन की ओर से प्रथम पंजाब स्तरीय मूअ थाई चैंपियनशिप बनारसी दास आर्य कालेज जालंधर कैंट में सचिव गगनदीप कौर के नेतृत्व में करवाई गई। इस चैंपियनशिप में अलग अलग ज़िलों से आए सब-जूनियर, जूनियर, सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस चैंपियनशिप में विशेष तौर पर युवा खेल भलाई बोर्ड के प्रधान राजीव वालिया खिलाड़ियों का हौंसला बुलंद करने के लिए पहुंचे। चैंपियनशिप में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों में बहुत उत्साह देखने को मिला। चैंपियनशिप की शुरुआत राष्ट्रीय गान के साथ की गई।सभी जिलों के खिलाड़ियों ने बढ़िया प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप



में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को युवा खेल भलाई बोर्ड के प्रधान राजीव वालिया और महासचिव महिंदर पाल ने तगमे और प्रमाण पत्र देकर सम्मनित किया और शुभकामनाएं दी। राजीव वालिया ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और डिजिटल युग में हम सभी अपना ज्यादातर समय मोबाइल, कंप्यूटर और टीवी के सामने बिताते हैं। इस जीवनशैली ने हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला है। ऐसे समय में खेलकूद हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि ये हमारे संपूर्ण विकास की नींव हैं। महिंदर पाल ने राजीव वालिया का धन्यवाद किया और बताया कि इस चैंपियनशिप के विजेता खिलाड़ी नार्थ जोन मुअ थाई चैंपियनशिप 24 अक्तूबर 2026 से 25 अक्तूबर 2026 को जम्मू में होने जा रही हैं उसमें हिस्सा लेंगे। इस चैंपियनशिप में कोच निर्मल सिंह, प्रदीप बजाज,प्रिंस कोल,शिवम पांडेय दलजीत सिंह, सेंजल, नीलम,विशाल जस मान, रेशम बहादुर, सुखदीप सिंह बाजवा, राहुल कुमार, मनदीप सिंह,राबीआ को सम्मान चिन्ह भेंट किऐ गए। इस मौके पर अंकुश, गुरजंट सिंह, लिली, हरप्रीत कौर, मनप्रीत कौर, आकाशदीप सिंह, रोहित, सागर, मनीषा अरोड़ा, दिलबाज सिंह, समरजीत सिंह, वरुण पहुंचे।

श्री सनातन धर्म मंदिर फेज-4 में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

- **भक्तिमय हुआ मोहाली का फेज-4, जगह-जगह हुआ कलश यात्रा का स्वागत; श्रद्धालुओं ने लगाए प्रसाद व लंगर के अटूट भंडारे**

मोहाली, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

श्री सनातन धर्म मंदिर, फेज-4, मोहाली में श्राद्ध पक्ष के पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ रविवार को भव्य एवं धार्मिक वातावरण में हुआ। कथा का आयोजन 27 सितंबर से 3 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। आयोजन के पहले दिन सुबह मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया।

सुबह मंदिर परिसर से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कलश यात्रा शुरू हुई। श्रद्धालु सिर पर कलश धारण कर भजन-कीर्तन एवं भगवान के जयकारों के साथ क्षेत्र की विभिन्न गलियों से होते हुए आगे बढ़े। यात्रा जिस भी मार्ग से गुजरी, स्थानीय लोगों ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ उसका स्वागत किया। कई स्थानों पर घरों के बाहर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण, लंगर और अटूट भंडारे लगाए गए। जगह-जगह भगवान श्रीकृष्ण एवं श्रीमद्भागवत महापुराण का स्वागत किया गया। कलश यात्रा के आगे आतिशबाजी से पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया और ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो क्षेत्र में दीपावली जैसा धार्मिक उल्लास छा गया हो।

कलश यात्रा में श्री सनातन धर्म मंदिर महिला मंडल की प्रधान श्रीमती दिनेश चंदन के नेतृत्व में श्रीमती इंद्रा रानी, पुष्पा शर्मा, राजकुमारी, शशि, नीलम, अर्चना सहित महिला मंडल की अन्य सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं ने भजन-कीर्तन करते हुए भगवान का गुणगान किया और पूरे रास्ते भक्तिमय वातावरण बनाए रखा। सायंकाल मंदिर परिसर में वृंदावन वाले कथा वाचक स्वामी धन्वंत्री दास जी ने श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, धर्म, संस्कार और सदाचार का महत्व बताते हुए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दिया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने भावपूर्वक श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा का श्रवण किया।





मंदिर कमेटी के प्रधान देश राज गुप्ता, सह-मीत प्रधान राज कुमार कालिया, मीत प्रधान सतीश कुमार, महासचिव राज कुमार शर्मा तथा कैशियर राकेश कुमार गुप्ता सहित पूरी मंदिर प्रबंधन टीम ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि 27 सितंबर से 3 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 3:30 बजे से 7:30 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए अटूट भंडारे की व्यवस्था भी की जाएगी। वहीं प्रतिदिन प्रात: 8 से 10 बजे तक पूजन होगा। मंदिर कमेटी ने क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति एवं श्रीमद्भागवत महापुराण का श्रवण करने का आह्वान किया। आयोजन के पहले दिन सुबह निकली भव्य कलश यात्रा और शाम को हुई कथा ने पूरे फेज-4 को श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास से सराबोर कर दिया।

विश्व हृदय दिवस-सुखना झील में साइक्लोथॉन और वॉकाथॉन में 1500 से अधिक लोगों ने लिया भाग

चंडीगढ़, 27 सितंबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

विश्व हृदय दिवस के अवसर पर लिवासा अस्पताल, मोहाली द्वारा आयोजित 27-दिवसीय फिटनेस चैलेंज - ‘लिवाथॉन: द हार्ट्स इन एक्शन’ के समापन के तहत रविवार को सुखना झील में 1500 से अधिक लोग साइक्लोथॉन और वॉकाथॉन में भाग लेने के लिए एकत्र हुए।

मेयर सौरभ जोशी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे, जबकि भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. ढिल्लों गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहे।

इस आयोजन में छात्रों, युवाओं, परिवारों और वरिष्ठ नागरिकों सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोग एक साथ आए, जिससे एक जीवंत और समावेशी माहौल बना। लोगों की इस उत्साही भागीदारी ने दैनिक



जीवन के हिस्से के रूप में फिटनेस और हृदय देखभाल के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाया।

27-दिवसीय फिटनेस चैलेंज ने प्रतिभागियों को शारीरिक गतिविधि को अपनी दिनचर्या का एक नियमित हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। चैलेंज के समापन पर, विजेताओं को पूरे अभियान के दौरान उनकी प्रतिबद्धता और भागीदारी के लिए पदक और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जुम्बा और अन्य फिटनेस गतिविधियां भी शामिल थीं, जिन्होंने आयोजन में ऊर्जा और उत्साह भर दिया। इस पहल ने प्रतिभागियों को स्वास्थ्य देखभाल टीम के साथ बातचीत करने और स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने व हृदय स्वास्थ्य की रक्षा के बारे में अधिक जानने का अवसर भी प्रदान किया। कार्डिएक साइंसेज के चेयरमैन डॉ. एच.के. बाली और कार्डियोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. अरविंद कौल सहित लिवासा अस्पताल मोहाली की पूरी कार्डियक टीम कार्यक्रम के दौरान सक्रिय रूप से मौजूद रही। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और हृदय स्वास्थ्य तथा निवारक देखभाल के बारे में जागरूकता फैलाई।

लिवासा हॉस्पिटल्स के सीईओ अनुराग यादव ने कहा, ‘लिवाथॉन स्वास्थ्य देखभाल को अस्पताल की दीवारों से बाहर निकालकर समुदाय तक ले जाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आज विभिन्न आयु वर्गों के लोगों की जो भागीदारी हमने देखी है, वह वास्तव में उत्साहजनक है।’ फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. अभिषेक गर्ग ने कहा, ‘फिटनेस और हृदय स्वास्थ्य पर साझा ध्यान देने के माध्यम से लोगों को एक साथ लाना बीमारियों से प्रिवेंशन के महत्व को मजबूत करता है।’

`पैगाम-ए-जगत’ में प्रकाशित सामग्री और अन्य विवादों से संबंधित मामलों का निपटारा केवल मोहाली (चंडीगढ़) न्यायालय में ही किया जाएगा। यह आवश्यक नहीं है कि संपादक लेखकों की राय से सहमत हो। -संपादक, पैगाम-ए-जगत